

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
03.12.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 786 का उत्तर

रेल कर्मचारी

786. श्री राकेश सिन्हा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) भारतीय रेल में कितने कर्मचारी कार्य करते हैं;
- (ख) उनमें से कितने संविदा पर कार्यरत हैं;
- (ग) क्या सरकार विगत पाँच वर्षों से कार्य करने वाले संविदात्मक कर्मचारियों को नियमित करती है;
- (घ) डीजल निकास, शोर और कंपन जैसे कारकों के कारण रेल कर्मचारियों को किन-किन स्वास्थ्य संबंधी खतरों का सामना करना पड़ता है;
- (ङ.) विगत पाँच वर्षों में पटरी की मरम्मत और अनुरक्षण कार्य के दौरान कितने गेंगमैन और मरम्मत कर्मियों की मृत्यु हुई है; और
- (च) सरकार द्वारा अपने रेलवे कामगारों के जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

रेल कर्मचारियों के संबंध में दिनांक 03.12.2021 को राज्य सभा में श्री राकेश सिन्हा के अतारांकित प्रश्न सं. 786 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित **विवरण**।

(क): वर्ष 2019-20 के दौरान भारतीय रेल में कुल 12,53,592 रेल कर्मचारी कार्यरत थे।

(ख): इस समय, रेलवे में संविदा पर 2942 कर्मचारी कार्यरत हैं।

(ग): जी नहीं। रेलवे में संविदात्मक कर्मचारियों की नियुक्ति सीमित समयावधि के लिए कामचलाऊ व्यवस्था के रूप में तात्कालिक सेवाओं को पूरा करने के लिए निश्चित अवधि के लिए की जाती है। संविदा आधार पर नियुक्त कर्मचारियों का स्थायी समाहन नहीं किया जाता है।

(घ): डीज़ल निकास, शोर और कंपन के कारण स्वास्थ्य संबंधी खतरे घटते-बढ़ते रहते हैं और एक्सपोजर की अवधि पर निर्भर करते हैं। उपरोक्त के कारण सामान्यतः खांसी, सांस लेने में दिक्कत, एकाग्रता भंग, अनिद्रा, रक्तदाब आदि होना आम खतरे हैं।

रेल कर्मचारियों को उपरोक्त कारणों से होने वाले खतरों से बचाने के लिए उचित निवारक उपाय किए जाते हैं और उनकी चिकित्सा देखभाल की जाती है।

(ड.): पिछले पांच वर्षों में रेलपथ मरम्मत और अनुरक्षण कार्य के दौरान मरने वाले गैंगमैन और मरम्मतकर्मियों (नया पदनाम रेलपथ अनुरक्षक) का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	मृत रेलपथ अनुरक्षकों की संख्या
2016-17	86
2017-18	103
2018-19	83
2019-20	94
2020-21	50
अप्रैल 2021 से अक्टूबर 2021	35

(च): 1. रेलपथ अनुरक्षकों की सुरक्षा के लिए रेलवे द्वारा रेलपथ अनुरक्षकों को चमकदार बनियान, संरक्षा हेलमेट जिसमें खान में कार्य करते समय लाइट लगाई जा सके, सुरक्षा जूते, तीन रंगवाली 3-सैल टॉर्च, हल्के भार वाला मजबूत बैकपैक टूल किट बैग, सर्दियों की जैकेट, बरसाती एवं जलरोधक पतलून, बर्फ में काम आने वाले बूट आदि जैसे कार्य विशिष्ट रक्षात्मक उपकरण मुहैया कराए जाते हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल के उच्च घनत्व के नेटवर्क पर रेलपथ अनुरक्षकों को आने वाली गाड़ियों के बारे में सचेत करने के लिए 'रक्षक' प्रकार के सुरक्षात्मक प्रबंध भी किए जाते हैं।

2. भारतीय रेल द्वारा ट्रैकमैन की संरक्षा के लिए किए गए अन्य उपायों में फील्ड कर्मचारियों द्वारा परामर्श करना, संरक्षा सेमिनार आयोजित करना, फील्ड कर्मचारियों की आवधिक चिकित्सा जांच करना, चेतावनी हूटर मुहैया कराना आदि शामिल है।

3. इसके अलावा, रेलवे, रेल लाभार्थियों का चिकित्सा उपचार करती है, निशुल्क चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल, सभी रेल कर्मचारियों की निवारक स्वास्थ्य देखभाल, वार्षिक स्वास्थ्य जांच और नियुक्ति पूर्व चिकित्सा जांच, संरक्षा कोटि के कर्मचारियों की आवधिक चिकित्सा जांच करती है, सभी कारखानों में प्राथमिक उपचार चौकियां बनाई जाती हैं, संबंधित विभागों द्वारा विशिष्ट निवारक और संरक्षा उपाय किए जाते हैं।

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS

RAJYA SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 786
ANSWERED ON 03.12.2021

RAILWAY EMPLOYEES

786. SHRI RAKESH SINHA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) how many employees work with Indian Railways;
- (b) how many of them are working on contract;
- (c) whether Government regularise contractual workers working for the last five years;
- (d) what are the health hazards railway employees face due to factors like diesel exhaust, noise and vibration;
- (e) how many gangmen and repairmen have died during track repair and maintenance task in the last five years; and
- (f) the action taken by Government for protection of life and health of its railway workers?

ANSWER

MINISTER OF RAILWAYS, COMMUNICATIONS AND
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY

(SHRI ASHWINI VAISHNAW)

(a) to (f) : A Statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (f) OF UNSTARRED QUESTION NO 786 BY SHRI RAKESH SINHA ANSWERED IN RAJYA SABHA ON 03.12.2021 REGARDING RAILWAY EMPLOYEES

(a) During the year 2019-20, the total number of railway employees working on Indian Railways were 12,53,592.

(b) Presently, 2942 Employees are engaged on contract basis in Railways.

(c) No, Sir. Engagements of contractual staff on Railways are done for a fixed period of time to meet exigencies of services as a stop gap arrangement for a limited period. Engagement on contract basis does not provide for regular absorption.

(d) Health hazards due to Diesel exhaust, Noise and Vibrations are varied and depend upon duration of exposure. Common hazards due to above - are usually Cough, Respiratory tract irritation, lack of concentration, insomnia, blood pressure etc.

Due to preventive measures and medical care provided to Railway employees hazard exposure due to above factors are avoided.

(e) Gangmen and repairmen (Re-designated as Track Maintainer) died during track repair and maintenance task in the last 5 years is as under :-

Year	Number of Track Maintainer died
2016-17	86
2017-18	103
2018-19	83
2019-20	94
2020-21	50
April,2021 to Oct,2021	35

(f) 1. For safety of Track Maintainer, Railway provide job specific protection gear like Luminous vests, safety helmets with detachable miner's light, safety shoes, tricolor LED 3-cell torch, sturdy light weight backpack tool kit bag, winter jacket, raincoat with separate waterproof trouser, snow boots etc. to Track Maintainers. Further, 'Rakshak' type protection system on high density network of Indian Railways is also provided to alert track maintainer about approaching train.

2. Other measures taken by Indian Railways for safety of Trackmen include counseling by field staff, organising safety seminars, periodical medical examination of field staff, providing warning hooters etc.

3. Further, Railways looks after medical treatment of Railway beneficiary, Medical and Health care provided free of cost, preventive health care, Annual health check-up of all Railway employees and pre placement Medical, Periodical Medical Examination of safety category, First-aid post in all workshops, Specific prevention and safety measures are taken by the concerned departments.
